स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

04089

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

बी.एच.डी.ई.-108 / ई.एच.डी.-8 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड 'क' से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । खण्ड 'ख' से **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । खण्ड 'ग' के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

खण्ड क

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए ।*

1. मौखिक तथा लिखित भाषा में अंतर स्पष्ट कीजिए । *20*

2. हिन्दी वर्णमाला और वर्तनी के परिप्रेक्ष्य में मानकीकरण की स्थिति पर प्रकाश डालिए । *20*

3. प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालिए । *20*

4. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की आवश्यकता पर विचार कीजिए । *20*

खण्ड ख

*निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए ।*

5. प्रशासनिक शब्दावली का आशय स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएँ बताइए । *10*

6. राजभाषा हिन्दी की स्थिति से अवगत कराइए । *10*

7. हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियों और उनके व्यवहार-क्षेत्रों का परिचय दीजिए । *10*

8. भाषा के आधुनिकीकरण से क्या तात्पर्य है ? समझाइए । *10*

9. प्रशासनिक पत्राचार के प्रारूपों पर प्रकाश डालिए । *10*

10. मसौदा-लेखन किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए । *10*

11. वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली निर्माण-सम्बन्धी सिद्धांतों से अवगत कराइए । *10*

12. जनसंचार माध्यमों में भाषा का क्या महत्त्व है ? समझाइए । *10*

खण्ड ग

*इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

13. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए : *5×2=10*

(क) विज्ञापन की भाषा की विशेषताएँ बताइए ।

(ख) संपादन-कला से क्या तात्पर्य है ?

(ग) वाणिज्य के क्षेत्र में हिन्दी-प्रयोग की संभावनाओं का उल्लेख कीजिए ।

(घ) राजभाषा-आयोग की सिफ़ारिशों की चर्चा कीजिए ।

(ङ) श्रव्य-दृश्य माध्यम किसे कहते हैं ?

14. निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी पर्याय बताइए : *5×1=5*

(a) Incentive

(b) Surcharge

(c) Criminal Procedure Code

(d) Horizontal

(e) Surface

15. निम्नलिखित में से *सही* अथवा *ग़लत* कथन का उल्लेख कीजिए : 5×1=5

(क) भाषा ध्वनि-प्रतीकों की व्यवस्था नहीं है ।

(ख) जनसंचार-माध्यम संदेश को समूह तक पहुँचाते हैं ।

(ग) हर भाषा में लिपि-चिह्न सीमित नहीं होते ।

(घ) देवनागरी वर्णमाला में आज तक कोई परिवर्तन नहीं हुआ ।

(ङ) हिन्दी में वर्तनी के स्तर पर कोई समस्या नहीं है ।